प्रेस विज्ञप्ति

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक के लेखों का आज अनुमोदन किया. दिनांक 1 अप्रैल 2020 से आंध्रा बैंक एवं कॉर्पोरेशन बैंक का समामेलन प्रभावी हुआ है, तदनुसार 31 मार्च, 2020 एवं 30 जून, 2019 के वित्तीय परिणाम तीनों बैंकों के लेखापरीक्षित / समीक्षा के समेकन द्वारा निकाला गया है.

प्रमुख तथ्य : पहली तिमाही (ति.1) वित्तीय वर्ष (वि.व.) -21 के परिणाम

↑ 17.1%	शुद्ध ब्याज आय	₹6403 करोड़ (ति.1 वि.व. - 21)	₹5468 करोड़ (ति.1 वि.व. - 20)
	परिचालन लाभ	₹4034 करोड़ (ति.1 वि.व. - 21)	₹3918 करोड़ (ति.1 वि.व. - 20)
↑ 2.9%			
↑ 2.0%	सकल अग्रिम	₹650127 करोड़ (ति.1 वि.व. - 21)	₹637173 करोड़ (ति.1 वि.व. - 20)
	कुल जमाराशि	₹892542 करोड़ (ति.1 वि.व. - 21)	₹832178 करोड़ (ति.1 वि.व. - 20)
↑ 7.3%			
↑ 649 bps	पीसीआर	79.87% (ति.1 वि.व. - 21)	73.38% (ति.1 वि.व. - 20)
	शुद्ध एनपीए	4.97% (ति.1 वि.व.- 21)	6.47% (ति.1 वि.व. - 20)
↓ 150 bps			

कारोबार निष्पादन :

- वैश्विक कारोबार 5.0% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 जून, 2020 को ₹1542668 करोड़ हो गया.
- कुल वैश्विक जमाराशि 7.3% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 जून, 2020 को ₹892542 करोड़ हो गई.
- कासा जमाराशि 11.0% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 जून, 2020 को ₹297217 करोड़ हो गई.
- वैश्विक सकल अग्रिम 2.0% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 जून, 2020 को ₹650127 करोड़ हो गया.

परिचालन कार्यनिष्पादन :

- शुद्ध ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2020 की पहली तिमाही के ₹5468 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में 17.1% की दर से बढ़कर ₹6403 करोड़ हो गया.
- गैर ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में ₹1462 करोड़ रहा.
- परिचालन लाभ वित्तीय वर्ष 2020 की पहली तिमाही के ₹3918 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में 2.9% की वृद्धि के साथ ₹4034 करोड़ हो गया.
- वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ ₹333 करोड़ रहा.
- वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 2.52% रहा, जबकि घरेलू एनआईएम 2.56% रहा.
- वित्तीय वर्ष 2021 के पहली तिमाही में अग्रिम पर आय 7.87% रहा.
- जमा राशि की लागत वित्तीय वर्ष 2020 की पहली तिमाही के 5.64% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में सुधार के साथ 5.03% रहा.

PRESS RELEASE

आस्ति गुणवत्ता :

- सकल एनपीए अनुपात 30 जून, 2019 के 15.59% के सापेक्ष 30 जून, 2020 को सुधार के साथ 14.95% हो गया.
- शुद्ध एनपीए अनुपात 30 जून, 2019 के 6.47% के सापेक्ष 30 जून, 2020 को सुधार के साथ 4.97% हो गया.
- प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 30 जून, 2019 के 73.38% के सापेक्ष 30 जून, 2020 को सुधार के साथ 79.87% हो गया.

पूँजी पर्याप्तता :

- टियर - I और कॉमन इक्विटि टियर - 1 पूंजी अनुपात 30 जून, 2020 को क्रमश: 9.48% और 8.40% रहा.
- 30 जून, 2020 को बासल III के अंतर्गत जोखिम भारित परिसंपत्ति की तुलना में पूंजी का अनुपात (सीआरएआर) 11.62% रहा.

नेटवर्क :

- 9590 शाखाएं
- 13239 एटीएम
- 8218 बीसी पॉइंट्स
- 90 सरल / सरल लाइट (एमएसएमई ऋण प्रसंस्करण केंद्र)
- 121 यूएलपी (रिटेल ऋण प्रसंस्करण केंद्र)

COVID-19 से निपटने के लिए नई योजनाओं का शुभारंभ :

COVID 19 की महत्वपूर्ण चुनौती के परिप्रेक्ष्य में , बैंक ने चलनिधि असमानता (लिक्विडिटी मिसमैच) में आए दबाव/समस्याओं को कम करने या उपभोगताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु व्यापारिक संस्थाओं , रिटेल ग्राहकों, स्वयं सहायता समूहों के लिए अनेक मुख्य योजनाओं की शुरुआत की है

- **कोविड इमरजेंसी लाइन ऑफ क्रेडिट (सीईएलसी) :** उधारकर्ताओं के किसी भी क्षेत्र से होने के बावजूद , सभी मौजूदा निधि आधारित कार्यशील पूंजी सीमा हेतु योजना.
- **यूनियन COVID 19 व्यक्तिगत ऋण योजना (यूसीपीएलएस) :** पिछले 12 महीनों से हमारे बैंक के माध्यम से वेतन प्राप्त करने वाले सभी सरकारी /गैर-सरकारी कर्मचारी और मौजूदा रिटेल उधारकर्ताओं के लिए योजना.
- **यूनियन स्वयं सहायता समूह कोविड ऋण सुविधा (यूएससीएसएल) :** संतुष्टिपूर्ण ट्रैक रिकॉर्ड वाले सभी मौजूदा स्वयं सहायता समूहों के लिए योजना
- **यूनियन गारंटीकृत इमरजेंसी क्रेडिट लाइन (यूजीईसीएल) :** भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप पात्र व्यावसायिक उद्यम/एमएसएमई उधारकर्ता, जिसमें इच्छुक पीएमएमवाई उधारकर्ता शामिल हैं , के लिए एक विशेष योजना जो कि 29 फरवरी, 2020 को बकाया ऋण राशि की 20% तक अतिरिक्त कार्यशील पूंजी मीयादी ऋण सुविधा के रू प में (बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के मामले में), पूर्व-अनुमोदित मंजूरी सीमा होगी.
- **उदारीकृत कार्यशील पूंजी मूल्यांकन (एलडबल्यूसीए) मॉडल :** मौजूदा एमएसएमई उधारकर्ताओं के लिए योजना, जिनका कोविड 19 महामारी के कारण परिचालन चक्र प्रभावित हुआ है.
- **विस्तारित आंशिक ऋण गारंटी योजना (पीसीजीएस) :** कम मूल्यांकित वाले एनबीएफ़सी / एचएफ़सी/ एमएफ़आई को चलनिधि सहायता प्रदान करने के लिए योजना.

----------X----------

दिनांक : 21 अगस्त, 2020

स्थान : मुंबई

PRESS RELEASE

Press Release

Financial Results for the quarter ended June 30, 2020

The Board of Directors of Union Bank of India today approved the accounts of the Bank for the quarter ended June 30, 2020. Amalgamation of Andhra Bank and Corporation Bank came into effect on April 01, 2020; accordingly the combined financials as on March 31, 2020 and June 30, 2019 has been arrived at by aggregating audited/reviewed numbers of three banks.

KEY HIGHLIGHTS Q1 FY-21 RESULTS

Change	Metric	Q1 FY-21	Q1 FY-20	Change
↑ 17.1%	Net Interest Income	₹6403 Cr	₹5468 Cr	
	Operating profit	₹4034 Cr	₹3918 Cr	↑ 2.9%
↑ 2.0%	Gross Advances	₹650127 Cr	₹637173 Cr	
	Total Deposit	₹892542 Cr	₹832178 Cr	↑ 7.3%
↑ 649 bps	PCR	79.87%	73.38%	
	Net NPA	4.97%	6.47%	↓ 150 bps

Business Performance:

- Global Business grew by 5.0% Y-o-Y to ₹1542668 crore as on June 30, 2020.
- Total Global Deposits grew by 7.3% Y-o-Y to ₹892542 crore as on June 30, 2020.
- CASA Deposits grew by 11.0% Y-o-Y to ₹297217 crore as on June 30, 2020.
- Global Gross Advances grew by 2.0% Y-o-Y to ₹650127 crore as on June 30, 2020.

Operating Performance:

- Net Interest Income during Q1 FY-21 increased by 17.1% to ₹6403 crore as compared to ₹5468 crore in Q1 FY-20.
- Other Income stood at ₹1462 crore during Q1 FY-21.
- Operating profit during Q1 FY-21 increased by 2.9% to ₹4034 crore as compared to ₹3918 crore in Q1 FY-20.
- Net profit during Q1 FY-21 stood at ₹333 crore.
- Global Net Interest Margin (NIM) stood at 2.52% where as Domestic NIM stood at 2.56% in Q1 FY-21.
- Yield on advances stood at 7.87% for Q1 FY-21.
- Cost of Deposit improved to 5.03% in Q1 FY-21 as against 5.64% in Q1 FY-20.

Asset Quality:

- GNPA ratio improved to 14.95% as on June 30, 2020 compared to 15.59% as on June 30, 2019.
- Net NPA ratio improved to 4.97% as on June 30, 2020 compared to 6.47% as on June 30, 2019.
- Provision Coverage Ratio (PCR) improved to 79.87% as on June 30, 2020 compared to 73.38% as on June 30, 2019.

Capital Adequacy:

- Tier –I and CET-1 capital ratio stood at 9.48% and 8.40% respectively as on June 30, 2020.
- CRAR under BASEL III stood at 11.62% as on June 30, 2020.

Network:

- 9590 Branches
- 13239 ATMs
- 8218 BC points
- 90 SARAL/SARAL Lite (MSME Loan Processing Centres)
- 121 ULPs (Retail Loan Processing Centres)

New schemes launched to tackle COVID-19:

In response to significant challenge of COVID 19, Bank has launched various flagship schemes for business entities, retail customers, SHGs in order to ease out the stress/ tide over the liquidity mismatch or for fulfilling the consumption needs.

- **COVID Emergency Line of Credit (CELC):** Scheme for all existing Fund Based working capital limit borrowers irrespective of sector.
- **Union COVID 19 Personal Loan Scheme (UCPLS):** Scheme for all govt/ non-govt employees drawing salary through our bank for last 12 months and existing retail borrowers.
- **Union SHG COVID Suvidha Loan (USCSL):** Scheme for all existing SHGs with satisfactory track record.
- **Union Guaranteed Emergency Credit Line (UGECL):** A special scheme as per GoI guidelines which shall be a pre-approved sanction limit of up to 20% of loan outstanding as on 29th February, 2020 to eligible borrowers, in the form of additional working capital term loan facility (in case of banks and Financial Institutions), eligible Business Enterprises / MSME borrowers, including interested PMMY borrowers.
- **Liberalised Working Capital Assessment (LWCA) Model:** Scheme for existing MSME borrowers whose operating cycle is affected by COVID-19 pandemic.
- **Extended Partial Credit Guarantee Scheme (PCGS):** Scheme to provide liquidity support to low rated NBFCs/HFCs/MFI.

----------X----------

Date: 21st August, 2020
Place: Mumbai

PRESS RELEASE